“सच्ची खोज अच्छी खबर”

ज्ञान सरोवर

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 29 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 01 अगस्त से 07 अगस्त, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

वियतनाम के प्रधानमंत्री तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे

नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और विस्तारित करने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। नयी दिल्ली पर पहुंचने पर चिन्ह का हवाई अड्डे पर विदेश राज्य मंत्री पाबित्रा मार्गेरिटा ने स्वागत किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह का राजकीय दौरे पर नयी दिल्ली पहुंचने पर हार्दिक स्वागत है।’’ उन्होंने कहा, ‘‘भारत और वियतनाम के बीच सभ्यतागत संबंध हैं तथा आपसी विश्वास पर आधारित दीर्घकालिक मित्रता है। यह यात्रा हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत

करेगी।’’ विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत वियतनाम को अपनी ‘एक्ट ईस्ट नीति’ का एक प्रमुख स्तंभ और हिंद–प्रशांत दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण साझेदार मानता है। चिन्ह के साथ एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया है जिसमें कई मंत्री, उप मंत्री और व्यापार जगत के नेता शामिल हैं। उनका एक अगस्त को, राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में औपचारिक स्वागत किया जाएगा, जिसके बाद वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चिन्ह के बीच द्विपक्षीय चर्चा होगी। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मिलने का कार्यक्रम है। मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर के भी वियतनामी प्रधानमंत्री से मिलने की उम्मीद है।

गोयल ने छोटे–छोटे फायदों पर ध्यान देने के लिए भारतीय उद्योग जगत की आलोचना की

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने छोटे–छोटे लाभ के लिए राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करने पर भारतीय उद्योग जगत की आलोचना की। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि कई उद्योग छोटे–छोटे फायदों के लिए भारत में निर्मित उत्पादों को नहीं खरीद रहे हैं, और विदेशी मुद्रा पर ऐसे आयात के प्रभाव की परवाह नहीं कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि घरेलू कंपनियां मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में शुल्क रियायत चाहती हैं, लेकिन वे अन्य देशों को बाजार पहुंच देने के लिए तैयार नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग हमेशा सुरक्षा चाहता है, ‘‘फिर हम ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ एफटीए कैसे करेंगे?’’ मंत्री ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के विकसित भारत कार्यक्रम में कहा, ‘‘उद्योग का कहना है कि भारत में शुल्क रियायतें न दें, लेकिन हमें ब्रिटेन और ईयू को शून्य शुल्क पर निर्यात करने की अनुमति दें।

ऑनलाइन गेम का टास्क पूरा करने के लिए लड़के ने 15वीं मंजिल से लगाई छलांग, हुई मौत

पुणे। पुणे में एक दर्दनाक घटना हुई है। ऑनलाइन गेम के टास्क को पूरा करने के लिए 15 साल के एक लड़के ने बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से छलांग लगा दी। इस घटना में लड़के की ही मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि लड़के को पिछले 6 महीने से ऑनलाइन गेम खेलने की लत लगी थी। वह हर दिन कई घंटे लगातार मोबाइल पर ऑनलाइन गेम खेलता था। घर वालों के कई बार समझाने के बावजूद लड़के की लत बढ़ती गई और घटना वाले दिन युवक पूरे दिन गेम खेल रहा था। घर वालों की मानें तो लड़का गेम की लत में ऐसा फंस गया था कि अकेले खुद से ही बातें करने लगा। वह कमरे के अंदर तीन–चार घंटे तक बंद रह कर गेम खेलता रहता था। घटना वाले दिन युवक के भाई की तबीयत खराब होने की वजह से उसकी मां युवक पर ध्यान नहीं दे पाई, जिससे वह पूरे दिन गेम खेलता रहा। शाम को गेम में उसे टास्क पूरा करने के लिए 14वीं मंजिल से छलांग लगानी थी।

या तो आप रहोगे या मैं, उद्धव ठाकरे की फडणवीस को चुनौती, पीएम मोदी के लिए ऐसा क्या कहा, भड़क गई बीजेपी

मुम्बाई। (संवाद सूत्र)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता और मौजूदा उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ठाकरे ने कहा कि या तो आप वहां नहीं रहेंगे या मैं वहां नहीं रहूंगा। मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि राज्य के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने उन्हें बताया था कि कैसे फणडवीस ने उन्हें और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को जेल में डालने की साजिश रची थी। उद्धव ने कहा कि वह सभी बाधाओं को झेलकर भाजपा नेता के सामने मजबूती से खड़े रहे हैं। उन्होंने कहा कि अनिल देशमुख ने बताया कि कैसे फड़णवीस ने मुझे और आदित्य को जेल में डालने की साजिश रची थी। सब कुछ सहने के बाद, मैं पूरी ताकत के साथ खड़ा हूं। या तो आप (फडणवीस) होंगे या मैं वहां रहूंगा। इसके अलावा, उद्धव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि कैसे अन्य नेताओं ने उन्हें भाजपा के शीर्ष नेता के खिलाफ बोलने से परहेज करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कहा कि वह व्यक्त करेंगे कि भगवा पार्टी ने राज्य में क्या किया है। यूबीटी नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राज्य को लूट लिया है और कहा कि वह उन्हें ऐसा ही जारी नहीं रहने देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री को आगामी राज्य विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा के लिए प्रचार करने के लिए महाराष्ट्र आने की चुनौती दी। हाल के

लोकसभा चुनावों के दौरान महाराष्ट्र में मोदी को पसीना बहाना पड़ा, ठाकरे ने विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) द्वारा किए गए अभियान का जिक्र करते हुए कहा, जिसमें उनकी पार्टी कांग्रेस और राकांपा (सपा) के साथ एक घटक है। उन्होंने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, मोदी को विधानसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र आना चाहिए। उद्धव ने भाजपा नेताओं को आगाह किया कि वे महाराष्ट्र को पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश या कर्नाटक के साथ न समझें और कहा कि यह राज्य छत्रपति शिवाजी महाराज का है। इस बीच, आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने आरोप लगाया कि उद्धव ने फणनवीस के खिलाफ उन्हें जेल में डालने की साजिश रची थी। साथ ही, बावनकुले ने यूबीटी नेताओं को प्रधानमंत्री के खिलाफ कठोर शब्दों का इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी। उद्धव ठाकरे ने देवेन्द्र फडणवीस की पीठ में छुरा घोंपा, उन्हें जेल में डालने की पूरी कोशिश की। आज जिस तरह से ठाकरे अहंकारी भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, एक बात याद रखें, राज्य की जनता इस अहंकार और घमंड को स्वीकार नहीं करेगी।

कामिका एकादशी व्रत से मिलता है सभी पापों से छुटकारा

31 जुलाई को कामिका एकादशी है, हिन्दू धर्म कामिका एकादशी व्रत का खास महत्व

होता है। इसे पावित्रा एकादशी भी कहा जाता है, तो आइए हम आपको कामिका एकादशी की पूजा विधि तथा महत्व के बारे में बताते हैं।

जानें कामिका एकादशी के बारे में

सनातन धर्म में प्रत्येक मास की ग्यारहवीं तिथि को एकादशी व्रत रखने का विधान है। एकादशी तिथि हर मास में दो बार आती है। एक पूर्णिमा से पहले और दूसरी अमावस्या से पहले। प्रत्येक मास के अमावस्या से पहले आने वाली एकादशी को कृष्ण पक्ष की एकादशी और पूर्णिमा से पहले आने वाली एकादशी को शुक्ल पक्ष की एकादशी कहते हैं। हालांकि सभी एकादशी तिथि का अलग- अलग नाम और महत्व है। सावन मास के कृष्ण पक्ष की ग्यारहवीं तिथि को कामिका एकादशी का व्रत रखा जाता है। एकादशी तिथि जगत पालनहार भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विधिवत रूप से पूजा करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से सभी पापों से छुटकारा मिल जाता है और भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। धार्मिक मान्यता है कि सावन मास में एकादशी व्रत पूजा करने पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान शिव और माता पार्वती जी का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है।

कामिका एकादशी के दिन चावल का सेवन न करें

पंडितों के अनुसार एकादशी के पवित्र दिन चावल नहीं खाएं। एकादशी के दिन चावल खाने से मनुष्य का जन्म रेंगने वाले जीव की योनि में होता है। अगर आप व्रत नहीं करते हैं तो इस दिन व्रत नहीं रखने वालों को भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। अगर आप चावल खाने के शौकीन हैं तो द्वादशी के दिन खा सकते हैं।

कामिका एकादशी के दिन सात्विक भोजन ही करें

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार कामिका एकादशी के पवित्र दिन सदैव सात्विक भोजन करें। कभी भी मांस-मंदिरा का सेवन नहीं करें। सात्विक तथा शाकाहारी भोजन कर विष्णु भगवान की पूजा करें इससे आपकी सभी मनोकामनाएं पूरी होंगी।

कामिका एकादशी के दिन कभी भी शाम को न सोएं

कामिका एकादशी के दिन व्रत रखने वाले भक्त सदैव याद रखें कभी भी शाम को न सोएं। इस दिन सदैव प्रातः उठना चाहिए तथा भगवान का भजन करना चाहिए। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होकर भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

कामिका एकादशी के दिन सदैव ब्रह्मचर्य का पालन करें

कामिका एकादशी के पवित्र अवसर पर सदैव संयम का पालन करें। कभी भी शारीरिक संबंध नहीं बनाएं। आपको संयम के साथ ब्रह्चर्य का पालन करना चाहिए। इस दिन भोग-विलास में लिप्त होने के बजाय पूजा-पाठ कर ईश्वर को प्रसन्न करें।

कामिका एकादशी व्रत में नियमों का करें सख्ती से पालन

पंडितों के अनुसार कामिका एकादशी व्रत केवल एक दिन का व्रत नहीं है बल्कि इस व्रत का प्रारम्भ दशमी से ही शुरू हो जाता है। दशमी के दिन दोपहर को भोजन करने के बाद रात में भोजन न करें। इस प्रकार एकादशी के दिन पूजा कर फलाहार ग्रहण करें। उसके बाद द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन करा कर दान दें उसके बाद पारण करें।

कामिका एकादशी का है खास महत्व

कामिका एकादशी का विशेष महत्व है। महाभारत काल में स्वयं भगवान कृष्ण ने पांडवों को एकादशी के महामात्य के बारे में बताया था। कामिका एकादशी का व्रत रखने और पूजा करने से जीवन से हर प्रकार के कष्ट का नाश होता है और सुख समृद्धि मिलती है। जीवन में सफलता प्राप्त होती है और पितृ भी प्रसन्न होते हैं। कामिका एकादशी का व्रत रखने से पापों से भी मुक्ति मिलती है।

कामिका एकादशी पूजा में तुलसी पत्र का प्रयोग होता है लाभकारी

पंडितों के अनुसार तुलसी पत्र विष्णु भगवान को विशेष प्रिय होता है। इसलिए कामिका एकादशी के व्रत में तुलसी पत्र का बहुत महत्व होता है तथा तुलसी पत्र की पूजा करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इसलिए पूजा में तुलसी पत्र का प्रयोग अवश्य करें।

ऐसे करें कामिका एकादशी की पूजा

सावन के पवित्र महीने में आने वाली कामिका एकादशी बहुत खास होती है। इसलिए इस दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए विशेष विधि से पूजा करें। कामिका एकादशी के दिन प्रातः जल्दी उठकर घर की साफ-सफाई करें तथा स्नान के पश्चात ईश्वर का स्मरण कर व्रत का संकल्प लें। भगवान विष्णु की फल-फूल, दूध-दही तथा पंचामृत से पूजा करें और भगवान का नाम लेकर कीर्तन करें। एकादशी के दिन विविध प्रकार से पूजा-पाठ करने के पश्चात द्वादशी के दिन ब्राह्मणों को भोजन कराकर उन्हें यथाशक्ति दान दें।

कामिका एकादशी के दिन ऐसे करें पूजा

पंडितों के अनुसार इस दिन प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और भगवान विष्णु की मूर्ति या चित्र को गंगाजल से शुद्ध करें। पूजा स्थल को साफ कर एक चौकी पर पीला वस्त्र बिछाएं और उस पर भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। धूप, दीप, फूल, चंदन, अक्षत और नैवेद्य आदि से भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करें। पूजा में तुलसी पत्र का विशेष महत्व है, इसलिए तुलसी के पत्तों का उपयोग अवश्य करें। इसके बाद, विष्णु सहस्रनाम, भगवद गीता का पाठ करें और विष्णु मंत्रों का जाप करें। ष्ट नमो भगवते वासुदेवायष मंत्र का जाप विशेष रूप से लाभकारी होता है। दिनभर निराहार रहकर भगवान विष्णु का स्मरण करें और सत्कर्म करें।

शाम को पुनः भगवान विष्णु की आरती करें और फलाहार ग्रहण करें। रात्रि में जागरण कर विष्णु भजन-कीर्तन करें। अगले दिन द्वादशी को ब्राह्मणों को भोजन कराकर व्रत का पारण करें।भगवान कृष्ण ने कहा है कि- श्कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति भगवान के सामने घी अथवा तिल के तेल काअखंड दीपक जलाता है उसके पुण्यों की गिनती चित्रगुप्त भी नहीं कर पाते हैं।श्जो लोग किसी कारण से एकादशी व्रत नहीं कर पाते हैं, उन्हें भी एकादशी के दिन खानपान एवं व्यवहार में पूर्ण संयम का पालन करना चाहिए। एकादशी के दिन चावल खाना भी वर्जित है।

कामिका एकादशी के दिन न करें ये गलती

कामिका एकादशी के दिन तुलसी को गंदे या फिर जूठे हाथों से न छूएं। स्नान करने के बाद ही तुलसी का स्पर्श करें। इसके बाद शाम के समय तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं और तुलसी मंत्रों का जाप करें। लेकिन इस दौरान काले कपड़े न पहनें, वरना इससे नकारात्मकता लगती है।

कामिका एकादशी के पारण का समय

पंडितों के अनुसार जो लोग 31 जुलाई को कामिका एकादशी का व्रत रखेंगे, वे पारण 1 अगस्त गुरुवार के दिन करेंगे। पारण का समय सुबह 5 बजकर 43 मिनट से सुबह 8 बजकर 24 मिनट के बीच है। इस समय में आप कभी भी पारण करके व्रत को पूरा कर सकते हैं। 1 अगस्त को द्वादशी तिथि का समापन दोपहर में 3 बजकर 28 मिनट पर होगा।

कामिका एकादशी का पारण कैसे करें?

कामिका एकादशी व्रत का पारण द्वादशी तिथि में किया जाता है. ऐसे में सूर्योदय के बाद ही व्रत खोलना चाहिए, उससे पहले कुछ भी नहीं खाया जाता है. एकादशी का व्रत शुभ मुहूर्त में ही खोलना चाहिए या फिर द्वादशी तिथि के समाप्त होने से पहले व्रत पारण कर लें. कामिका एकादशी व्रत का पारण करने का सही समय 1 अगस्त 2024 को सुबह 05 बजकर 43 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 24 मिनट के बीच होगा।

इस साल सर्वार्थ सिद्धि योग में है कामिका एकादशी

इस साल की कामिका एकादशी सर्वार्थ सिद्धि योग में पड़ रही है। पूरे दिन यह शुभ योग बना रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग में आप जो भी कार्य करते हैं, उसके शुभ फल प्राप्त होते हैं।

सावन की शिवरात्रि पर करें ये महाउपाय, शनि के प्रकोप से छुटकारा मिलेगा, शीघ्र विवाह के योग बनेंगे

सावन माह को सबसे पवित्र और शुभ माना जाता है। सावन का महीना आरंभ हो चुका है। इस माह में हिंदू धर्म के महत्वपूर्ण त्योहार आते हैं। इस माह में भगवान शिव का विधिवत पूजा-अर्चना करने का विधान है। सावन की शिवरात्रि मे शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं के भारी भीड़ उमड़ती है। इस साल सावन शिवरात्रि का व्रत 02 अगस्त को रखा जाएगा। इस दिन शिवरात्रि पर हर्षण योग बन रहा है। सावन की शिवरात्रि पर पूजा-पाठ करने से दोगुने फल की प्राप्ति होती है। इस किन उपायों के करने से व्यक्ति को लाभ मिलते हैं आइए जानते हैं।

शनि के प्रकोप से छुटकारा पाने के उपाय

किसी व्यक्ति के कुंडली में शनिदोष है, साथ ही साढ़ेसाती और ढैय्या का भी प्रकोप है। सावन शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर जलाभिषेक करें और काले तिल अर्पित करें। इससे साढ़ेसाती और ढैय्या से छुटकारा मिल जाता है और शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

शीघ्र विवाह के लिए करें उपाय

अगर आपके विवाह में किसी प्रकार की रुकावाट आ रही है। शीघ्र विवाह के लिए सावन की शिवरात्रि के दिन शिवलिंग पर शहद से अभिषेक करें। ऐसा करने से शीघ्र विवाह के योग बन सकते हैं और दांपत्यों का वैवाहिक जीवन भी सुखमय बना रहता है। इसके साथ ही सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

कालसर्प दोष से छुटकारा पाने के उपाय

किसी जातक की कुंडली में कालसर्प दोष है, तो इस दिन विधिवत तरीके से रुद्राभिषेक करें और भगवान शिव को सफेद मिठाई अर्पित करें। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति होती है और कालसर्प दोष संबंधित परेशानियां टल जाती है।

संतान सुख प्राप्ति के लिए उपाय

नारद पुराण के अनुसार, सावन शिवरात्रि पर भगवान शिव की पूजा के साथ-साथ इस दिन नीम का पेड़ जरुर लगाएं। ऐसा करने से दांपत्यों को संतान सुख की प्राप्ति होती है । इसके साथ ही अक्षय फल की प्राप्ति होती है।

गज़ल

भरी बरसात मे उनसे मिला था।
बड़ी खुशी से अपना दिल खिला था।।

सौ चाँद लगे थे उनके हुस्न मे।
हंसिन ऐसी जवानी का किला था।।

बात करें तो फूल टपकने लगे।
ये अपनी शराफत का सिला था।।

उसके बाद ख्वाबों खयालों मे।
तकदीर से इसी बात का गीला था।।

हालात अच्छे हुये नही मिलते।
ढ़ह गया वो मोहब्बत का टिला था।।

विदेशों की बात नही मुलकी है।
भारत का ही तो एक जिला था।।

जलन इतनी भी करते है लोग।
दिल मे नफ़रत का ठोका हिला था।।

शहज़ाद किस्से कहानिया बहुत सुनी।
सुना रिश्तों का खून हुआ पिला था।।

शायर–मजीदबेग मुगल शहज़ाद
हिगणघाट, जि.वर्धा महाराष्ट्र

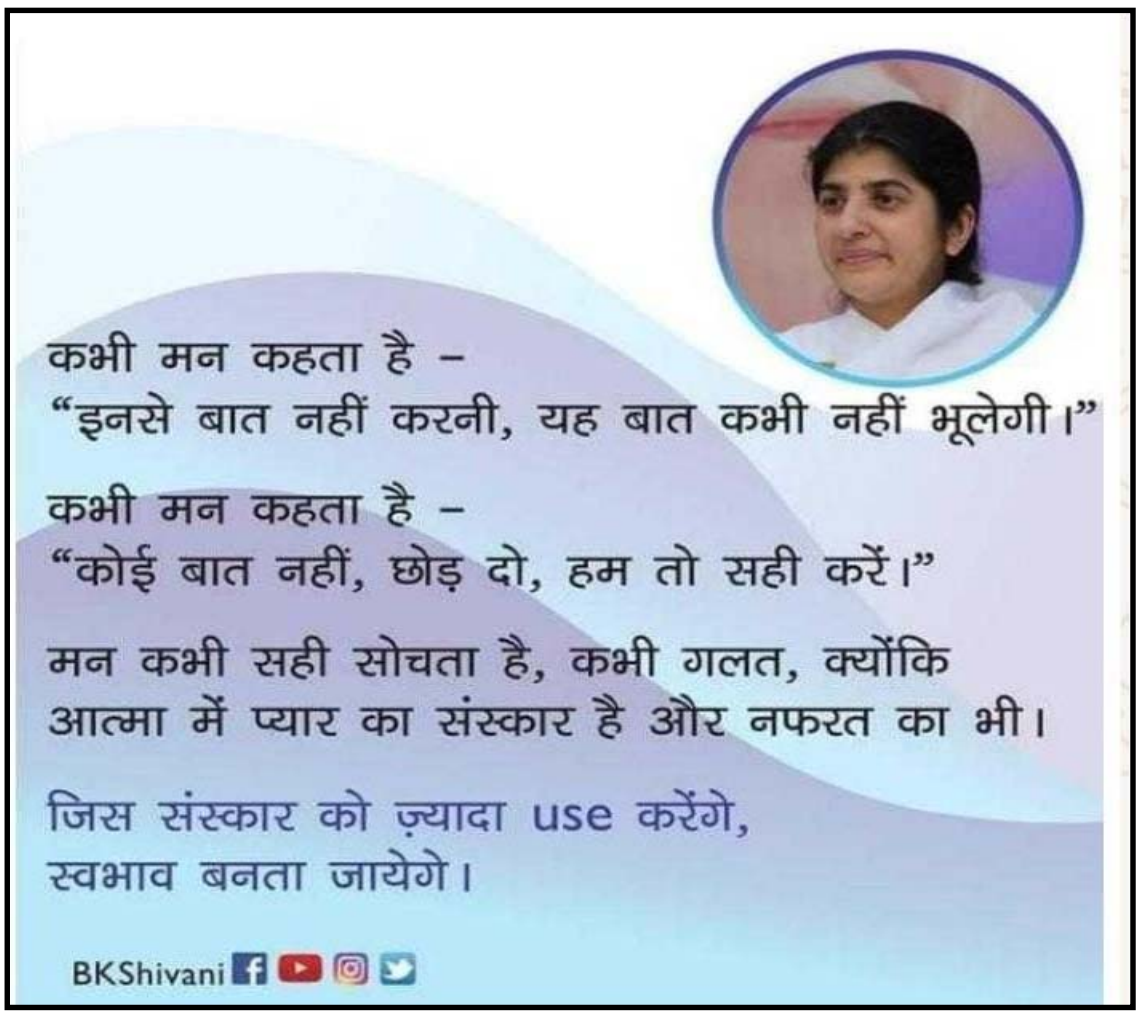

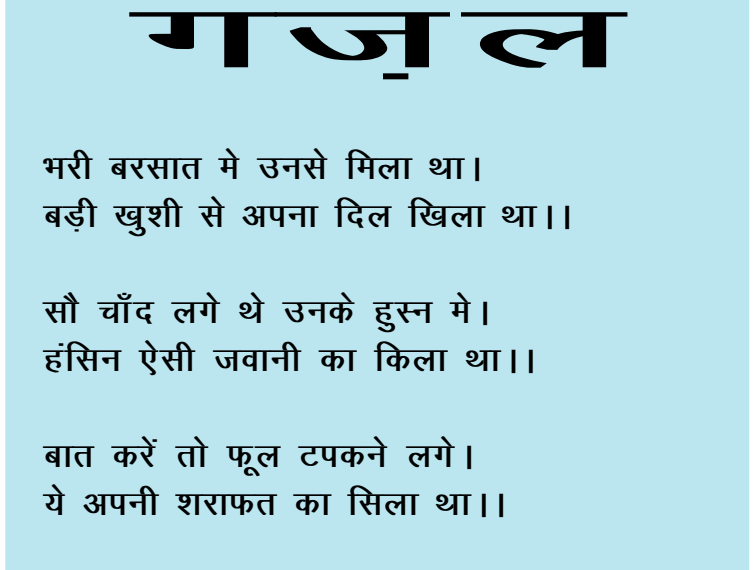

"संबंध बनाए रखने के लिए केवल समय की ही नहीं, बल्कि आपसी समझ की भी ज़रूरत होती है"।

हालात तो वक्त के साथ सुधर भी जाते हैं, परन्तु, उनका क्या होगा जो नज़रों से गिर जाते हैं!!?

कहते हैं कि खुशहाल ज़िंदगी जीने के लिए अपने अंदर के बचपन को ज़िंदा रखो, क्योंकि ..

ध्यान रहे कि ज़रूरत से ज़्यादा समझदारी और परिपक्वता भी इंसान को बेरंग और नीरस बना देती है।।।

ओम शांति

भावभीनी श्रद्धांजलि शीला दीदी काठमांडू नेपाल

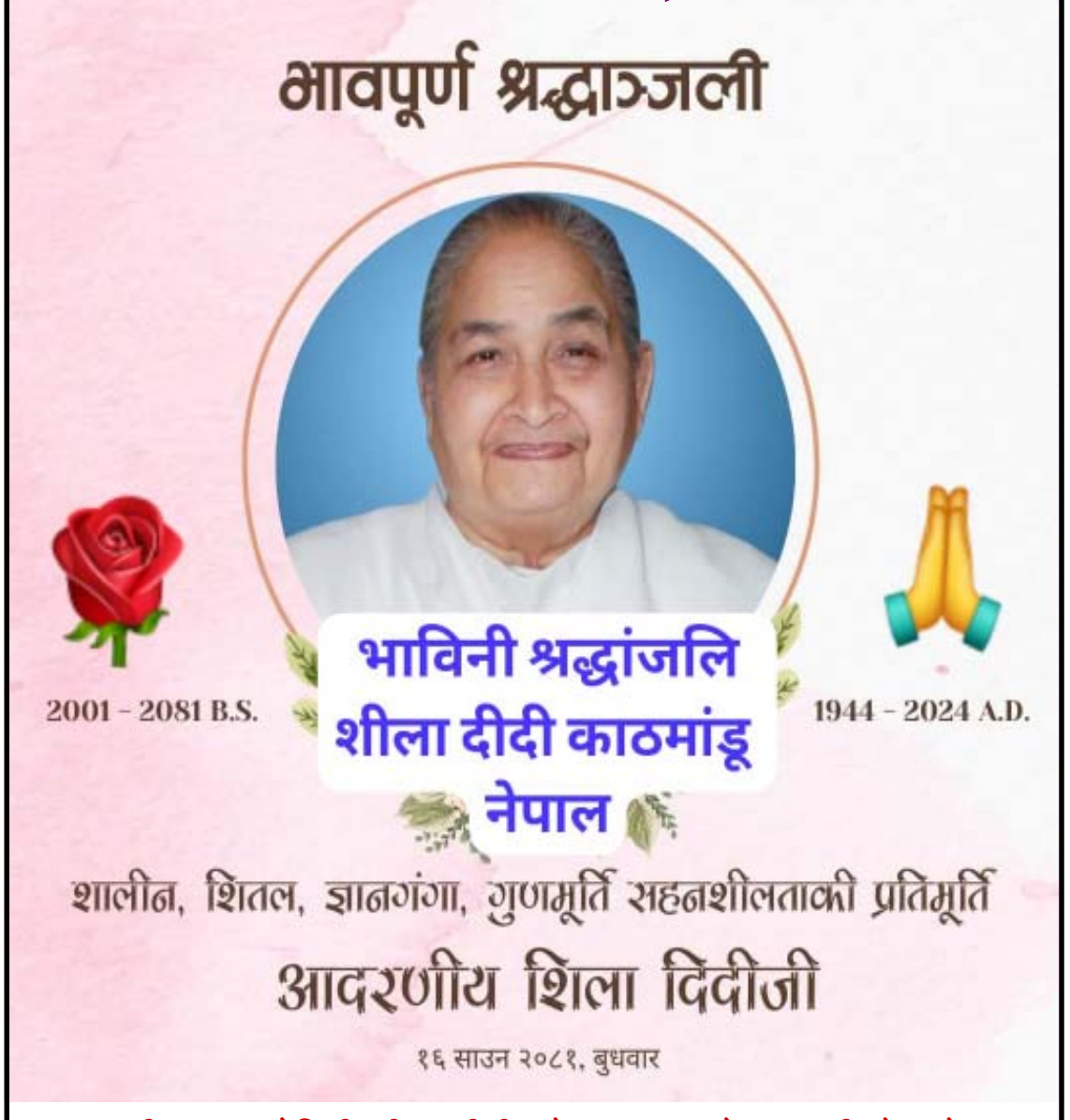

आदरणीय राज योगिनी शीला दीदी जो 55 साल से बाबा की सेवा में अपना जीवन समर्पित करके आज 31 जुलाई 2024 को दोपर 2:26 पर अपना पार्थिव शरीर छोड़कर बाप दादा की गोद में समा गई सारी विस्तार से समाचार आपको मिलता रहेगा.... कल उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा... विशेष समाचार के लिए इंतजार करें... ओम शांति

समस्त दैवी परिवार... नेपाल, ब्रह्माकुमारी राज दीदी, काठमांडू, नेपाल

सम्पादकीय...

दुकानदारों के नाम सार्वजनिक समाज में विभेद पैदा

कांवड़ यात्रा के मार्ग पर दुकानदारों के नाम सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शित करने के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड प्रशासन के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी है। दो जजों की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि खाना बेचने वालों को यह बताना जरूरी है कि वे किस तरह का खाना दे रहे हैं, लेकिन उस पर मालिक या कर्मचारियों का नाम सार्वजनिक करने के लिए जोर नहीं डाला जा सकता। पीठ ने विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा है। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्पष्टीकरण दिया गया कि आदेश का अनुपालन स्वैच्छिक है, लेकिन इसे बलपूर्वक लागू किया जा रहा है। प्रमुख विपक्षी दलों द्वारा इसकी निंदा की गई तथा इसे विभाजनकारी कदम बताया। इस आदेश से समानता के अधिकार, अस्पृश्यता, भेदभाव का निषेध तथा कोई भी व्यापार करने के अधिकार का हनन कहा गया। वर्षो से चली आ रही यात्रा पर पहले कभी इस तरह के कोई आदेश नहीं जारी किए जाते रहे हैं। कांवड़ मार्ग में आने वाले ढाबे/रेहड़ी स्वयं प्रचार करते हैं कि उनके यहां शुद्ध वैष्णव भोजन मिलता है। दूसरे फूड सेफ्टी एंड स्टैंर्डड एक्ट (एफएसएसएआई) व स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट जैसे कानून पहले ही मौजूद हैं। जो खाद्य पदाथरे की गुणवत्ता सुनिश्चत करने का काम करते हैं। बाजार में मिलने वाले भोज्य पदार्थ स्वच्छ हों, उनमें किसी तरह की मिलावट या गंदगी न हो, यह जांचना स्थानीय प्रशासन का काम है। सवाल सिर्फ कांवड़ श्रद्धालुओं का ही नहीं है बल्कि यह हर उपभोक्ता का अधिकार है कि उसे शुद्ध–स्वच्छ खाना मिले। बीते कुछ सालों से राज्य सरकारें कांवड़ यात्रा में विशेष रुचि ले रही हैं, जबकि इन्हीं राज्यों में और भी तीर्थ स्थल हैं, जो बुरी तरह उपेक्षित हैं या वहां किसी तरह की सुविधाओं का ख्याल नहीं रखा जाता। हम सिर्फ धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र ही नहीं हैं बल्कि हमारी संस्कृति हमें सहिष्णुता व भाई–चारा भी सिखाती है। इस तरह के आदेशों से कारोबार बाधित होता है और नीचे के वर्ग को रोजगार या दिहाड़ी से हाथ धोना पड़ता है। साथ ही समाज में विभेद पैदा होगा। इस आदेश का सबसे ज्यादा नुकसान छोटे व गरीब दुकानदारों को होता, जो रोज कमाने–खाने वाले हैं। राज्य सरकारों को अदालत के हस्तक्षेप से पूर्व ही विचारपूर्वक निर्णय लेने की आदत डालनी होगी।

महाराष्ट्र के राजभवन में 'तमिलनाडु के मोदी'

राजनीति के केंद्र में स्थापित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का व्यक्तित्व विराट होकर उभरा है, इसके साथ यह भी सच है कि उनकी खास पहचान उनकी दाढ़ी है। साल 2013 में जब बीजेपी ने मोदी को प्रधानमंत्री पद का अपनी ओर से दावेदार बनाया था, उन्हीं दिनों एक तमिल टीवी पर चर्चा में तमिलनाडु के बीजेपी का एक चेहरा भी शामिल हुआ था। उस नेता ने अपनी पार्टी का दमदार तरीके से पक्ष रखा। उसका कार्यक्रम का ऐसा प्रभाव रहा कि उन्हें दर्शकों ने तमिलनाडु के मोदी के रूप में पुकारना शुरू कर दिया। तमिलनाडु के वही मोदी अब महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं। जी हां, आपने ठीक समझा, तमिलनाडु के लोग सी पी राधाकृष्णन को तमिलनाडु के मोदी के रूप में भी जानते हैं। 1998 और 1999 के आम चुनावों में बीजेपी उम्मीदवार के रूप में तमिलनाडु की कोयंबटूर सीट से लोकसभा पहुंच चुके सीपी राधाकृष्णन को दक्षिण भारतीय जहां सीपी के नाम से जानते हैं, वहीं उत्तर भारत में अब वे राधा जी के नाम से भी जाने जाते हैं। शुद्ध शाकाहारी और पूजा–पाठ में श्रद्धा रखने वाले सीपी राधाकृष्णन को पहली बार महत्वपूर्ण राजकीय पद साल 2023 में मिला, जब उन्हें मोदी सरकार ने झारखंड का राज्यपाल मनोनीत किया। 12 फरवरी 2023 का दिन उनके लिए खुशी और निराशा, दोनों का मौका बनकर आया। जब मोदी सरकार ने उन्हें खनिज और प्राकृतिक संपदा से भरपूर झारखंड राज्य का राज्यपाल का दायित्व मिलना मामूली बात नहीं, लेकिन 66 साल की उम्र राजनीति में बहुत ज्यादा नहीं मानी जाती। सीपी इस बात से किंचित निराश थे कि अब उन्हें सक्रिय राजनीति से दूर होना पड़ेगा। वैसे सीपी की दिली चाहत सक्रिय राजनीति में रहते हुए महत्वपूर्ण राजनीतिक दायित्व को निभाना रहा है। सीपी राधाकृष्णन की बीजेपी की राजनीति में क्या अहमियत है, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि बीते आम चुनावों से ठीक पहले जब तेलंगाना की राज्यपाल तमिलसाई सोंदरराजन ने इस्तीफा देकर चेन्नई से चुनाव लड़ने का फैसला किया तो तेलंगाना के राज्यपाल का प्रभार सीपी को ही मिला। इतना ही नहीं, उन्हें पुदुचेरी के उपराज्यपाल की भी जिम्मेदारी दी गई। एक साथ तीन–तीन राज्यों के राज्यपाल की जिम्मेदारी बहुत कितने लोगों को मिल पाई है? सीपी राधाकृष्णन का जन्म एक ऐसे परिवार में हुआ, जहां कांग्रेस का बोलबाला था। उनके चाचा कोयंबटूर से कांग्रेस के लोकसभा सदस्य रहे। सीपी बताते हैं कि पहली बार वे दिल्ली अपने चाचा के पास ही आए थे और उनके घर पर रहकर ही दिल्ली देखी थी। चार मई 1957 को तमिलनाडु के त्रिपुर में जन्मे राधाकृष्णन कांग्रेसी पारिवारिक पृष्ठभूमि होने के बावजूद कांग्रेस की बजाय समाजवादी युवा आंदोलन से जुड़े। जनता पार्टी के दौर में तमिलनाडु में पार्टी अध्यक्ष रहे इरा सेझियन से सीपी राधाकृष्णन का गहरा नाता रहा। 1983 की जनवरी में तत्कालीन जनता पार्टी अध्यक्ष चंद्रशेखर ने भारत यात्रा शुरू की थी। तब तमिलनाडु में उनकी यात्रा से जुड़े आयोजनों की व्यवस्था में 28 वर्षीय युवा सीपी ने अहम भूमिका निभाई। तब चंद्रशेखर की उन पर नजर पड़ी। बाद में रोजगार के लिए होजरी के कारोबार से जुड़े सीपी का नाता शरद यादव से भी रहा। राष्ट्रीय मोर्चा की सरकार के दौरान शरद यादव कपड़ा राज्यमंत्री थे। उन दिनों उन्होंने कोयंबटूर का दौरा किया था, तब शरद यादव के लिए सीपी ने भोज दिया था। बाद के दिनों में सीपी भाजपा से जुड़ गए और देखते ही देखते भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष बना दिए गए। उनकी अध्यक्षता में ही बीजेपी ने 1998 और 1999 का चुनाव लड़ा और चार सीटों पर जीत हासिल की। पहली बार जहां पार्टी का जयललिता की एआईडीएमके से समझौता था तो दूसरी बार डीएमके के साथ पार्टी चुनाव मैदान में उतरी। यह बात और है कि उन्हें बाद में चुनावी जीत हासिल नहीं हो पाई। 2004, 2014 और 2019 के चुनावों में उन्हें पार्टी ने लगातार कोयंबटूर से उम्मीदवार बनाया, लेकिन हर बार उन्हें हार ही मिली। सिर्फ 2009 में उन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया था। सीपी राधाकृष्णन की अब व्यस्तता बढ़ गई है। अन्यथा दिल्ली में सांसद रहने के दौरान उनका घर सबके लिए खुला रहता था। सीपी राधाकृष्णन के पिता जी बेहद सहज थे। वे जीवन बीमा निगम के लिए काम करते थे। उनकी पत्नी गृहिणी हैं, जबकि बेटा मानचेस्टर से टेक्सटाइल इंजीनियरिंग करके कोयंबटूर में पारिवारिक होजरी और स्पिनिंग प्रोडक्शन का कारोबार देखता है। सीपी की एक बेटी भी है। जो अपनी पारिवारिक जिंदगी में व्यस्त है। कांग्रेसी परिवार में जन्म लेकर समाजवादी धारा की राजनीति के जरिए बीजेपी में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराते हुए देश की आर्थिक राजधानी के राजभवन पहुंचना मामूली बात नहीं है। मौजूदा माहौल में महाराष्ट्र की राजनीति राज्यपाल के बेहद चुनौतीपूर्ण है। अगर थोड़ी भी ऊंचनीच हुई तो राज्यपाल पर ही सबसे भार होगा। देखना है कि सीपी आने वाली चुनौतियों का सामना करते हैं...

सबको पोस्टर ब्वॉय जैसा दिखना है, इमरान हाशमी ने राजकुमार राव की प्लास्टिक सर्जरी पर किया रिएक्ट

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता इमरान हाशमी ने हाल ही में राजकुमार राव के प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर अपनी रिएक्ट किया है। कुछ वक्त पहले सोशल मीडिया पर राजकुमार राव का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे देखकर फैंस ने अनुमान लगाया कि एक्टर ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है। वहीं, अब इस मामले पर इमरान हाशमी ने बात की है। इसके साथ ही उन्होंने साफ कि उन्होंने कभी कोई प्लास्टिक सर्जरी नहीं कराई। इमरान हाशमी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज शोटाइम के कारण चर्चा में बने हुए हैं। जिसे लेकर हाल ही में उन्होंने स्कूप हूप से संग बात की। इस दौरान एक्टर से पूछा गया कि एक्टर्स प्लास्टिक सर्जरी क्यों करवाते हैं। इस पर इमरान हाशमी ने कुछ एक्टर्स के नाम बताने के लिए कहा। जब

राजकुमार राव का नाम आया तो, उन्होंने हामी भरी। इमरान हाशमी ने आगे कहा, ष्ये एक सच्चाई है। मेरा मतलब है, कॉस्मेटिक एक बिजनेस। सिर्फ़ इंडस्ट्री में ही नहीं, बल्कि ये एक ऐसी चीज है जिसकी मार्केटिंग उन्होंने बहुत अच्छी तरह से की है। हर कोई पोस्टर बॉय या गर्ल जैसा दिखना चाहता है और ये सुंदरता की पहचान बन गई है, है न? और आप खुद को उसी के अनुसार ढालना चाहते हैं, क्योंकि इसी से प्यार मिलता है और आप अपने बारे में अच्छा महसूस करते हैं। कॉस्मेटिक सर्जरी की बात करें तो, अगर आप सोच रहे हैं क्या मैंने भी ऐसा किया है, तो मैंने कोई सर्जरी नहीं करवाई है। इस साल अप्रैल में राजकुमार राव प्लास्टिक सर्जरी करवाने की अफवाहों को लेकर चर्चा में थे। हालांकि, अभिनेता ने उनका खंडन किया था। राजकुमार ने मुंबई में एक कॉन्सर्ट के दौरान पैपराजी के लिए पोज दिया था और सोशल मीडिया पर कई लोगों ने टिप्पणी की थी कि वे अलग दिख रहे हैं।

शेयर बाजार हरे निशान में खुला, फार्मा और एफएमसीजी शेयरों में तेजी

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार के कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुला। बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में तेजी के साथ कारोबार हो रहा है। सुबह 9रू18 पर सेंसेक्स 146 अंक या 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,602 और निफ्टी 34 अंक या 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,892 पर था। बाजार में रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1507 शेयर हरे निशान में और 480 शेयर लाल निशान में बने हुए हैं। छोटे और मझोले शेयरों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 169 अंक या 0.29 प्रतिशत की बढ़त के साथ 58,792 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 60 अंक या 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 19,146 पर है। सेबी की ओर से फ्यूचर और ऑप्शन में कारोबार को लेकर नियम सख्त कर दिए गए हैं। जानकारों का इसको लेकर कहना है कि ये बाजार के लिए एक अच्छा कदम है। इससे लंबी अवधि के निवेश को बढ़ावा मिलेगा और बाजार में सट्टेबाजी कम होगी। फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, फिन सर्विस और मीडिया इंडेक्स हरे निशान में है। रियल्टी, एनर्जी और पीएसयू बैंक इंडेक्स लाल निशान में हैं। चॉइस ब्रोकिंग में रिसर्च एनालिस्ट देवेन मेहता का कहना है कि निफ्टी के लिए 24,800, 24,750 और फिर 24,700 एक मजबूत सपोर्ट के रूप में काम करेंगा। वहीं, 24,900 और 25,000 एक मजबूत रुकावट का स्तर है। वैश्विक बाजारों में तेजी का ट्रेंड बना हुआ है। शंघाई, हांगकांग, बैंकॉक, सोल और जकार्ता के बाजारों में तेजी है। वहीं, अमेरिकी बाजार मंगलवार को मिलेजुले बंद हुए थे।

भारत में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में तेजी से बढ़ी वेयरहाउसिंग स्पेस की मांगः रिपोर्ट

मुंबई। भारत में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी के कारण वेयरहाउस की मांग में इजाफा देखने को मिल रहा है। मंगलवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि इस वर्ष की पहली छमाही में देश के आठ प्राथमिक बाजारों में 23 मिलियन स्क्वायर फीट के वेयरहाउस लेनदेन देखने को मिले हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया की ओर से जारी की गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 55 प्रतिशत लेनदेन श्ग्रेड एच के स्पेस के लिए हुए हैं। कुल वेयरहाउसिंग स्पेस वॉल्यूम में मुंबई की हिस्सेदारी 20 प्रतिशत है। नाइट फ्रैंक इंडिया के प्रबंधक निदेशक, शिशिर बैजल ने बताया कि मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ओर से आ रही मांग ने ई–कॉमर्स सेक्टर के सुस्त प्रदर्शन की भरपाई की है। उन्होंने आगे कहा कि वेयरहाउस विकसित करने के लिए जमीन मिलना अभी भी एक चुनौती बनी हुई है। संस्थागत निवेशकों की इस सेक्टर में बढ़ती रुचि के कारण आपूर्ति भी उच्च गुणवत्ता वाली होनी चाहिए। रिपोर्ट में आगे बताया गया कि दिल्ली–एनसीआर वेयरहाउसिंग स्पेस के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार है। इसकी कुल वॉल्यूम में हिस्सेदारी 17 प्रतिशत है। पुणे, देश का सबसे महंगा वेयरहाउसिंग मार्केट है और यहां औसत किराया 26 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर है। इसके बाद कोलकाता और मुंबई का स्थान आता है जहां औसत किराया क्रमशरू 23.8 रुपये प्रति स्क्वायर मीटर और 23.6 प्रति स्क्वायर मीटर है। रिपोर्ट में बताया गया कि पुणे और चेन्नई में सालाना आधार पर औसत किराया 4 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, एनसीआर और कोलकाता में सालाना आधार पर औसत किराये में 3 प्रतिशत की बढ़त हुई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि एप्पल, सैमसंग, फॉक्सकॉन और टीएसएमसी जैसी वैश्विक कंपनियों की ओर से भारत में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता विस्तार किए जाने का फायदा वेयरहाउसिंग सेक्टर को मिल रहा है।

साहित्यिक सफर साहित्यकार साहित्यिक चमचई राजनीति साहित्यिक अकाडमी व गुटबंदी

साहित्यिक सफर वेद की ऋचाओं से शुरू हुआ।सनातन के अनुसार वेद परमब्रह्म परमेश्वर की वाणी है।जिसको आधार बनाकर हमारे मनीषियों और ऋषियों ने अनेको ग्रंथ लिखे।मानव कल्याण के लिए।जिसमें महर्षि व्यास जी का बड़ा योगदान है।जिन्होंने 18 पुराण,भागवत गीता 6 शास्त्र 13 मुख्य उपनिषद आदि इस चराचर जगत को दिया।उनके ही जैसे अनेक ऋषियों ने मानव हित के लिए वेदों से ही छान छानकर कई मानव हितकारी जलचर नभचर थलचर आदि के कल्याण के लिए अनेक सूत्र अपने अपने साहित्य में लिखकर दिए।हमारे साहित्य का सफर बहुत ही गूढ़ सरल सहज और पुरातन है।इस साहित्यिक सफर में साहित्य व साहित्यकार को बहुत कुछ झेलना पड़ा है।जब भी कोई साहित्यिकार कुछ नया करने की कोशिस की तो,उसके समर्थक कम विरोधी अधिक रहे।जिसमें सबसे अधिक विरोध तुलसी कृत श्रीरामचरित मानस व गोस्वामी तुलसीदास जी का ही इतिहास में प्रमुख रूप से सुनने में आता है।दूसरे कवि पं.सूर्यकांत निराला जी रहे,जिनका तत्कालीन साहित्यकारों ने पुरजोर विरोध किया था।और आज भी कुछ तुच्छ साहित्कार हैं जो नवांकुर और नई विधा को अस्वीकार कर आगे बढ़ने में अड़ंगा बने हुए हैं।कुछ ऐसे दरबारी कवि लोग हैं,जो चमचई कर रहे हैं।और मुखर रूप से राजनीति भी।

लोग प्रथम कवि के रूप में महर्षि वाल्मीक को मानते हैं।जबकी ऐसा नहीं है।उनके पहले वेद की ऋचायें या यूँ कहें कि श्लोक थे।जिनसे ज्ञान अर्जित कर महर्षि वाल्मीक जी ने रामायण जैसा काव्य इस संसार को दिया।इसलिए यह कहना की प्रथम कवि महर्षि वाल्मीक जी हैं,तो सही नहीं होगा,मेरे हिसाब से।खैर साहित्य अपनी गति से हर काल में अपनी अलग छाप छोड़ते आगे बढ़ा।उसी के साथ साथ उसमें चमचई राजनीति और गुटबंदी भी चलती रही।चमचई से आगे बढ़ने वाले साहित्यकार वो रहे,जिसे पूर्व में दरबारी कवि कहा जाता था।वही लोग साहित्य से तब भी नाम दाम कमाए और आज भी कमा रहे हैं।

साहित्य को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार से लेकर केन्द्र सरकार और निजी संस्थायें देश में गठित की गई।सबसे पहले कोई साहित्यिक संस्था का किसी ने यदि गठन किया तो वह कवि भारतेन्दु बाबू हरिष्चंद्र जी ने भारतेन्दु मंडल नाम से शुरू की।इसके बाद अनेकों निजी संस्थायें आज गतिमान हैं साहित्य और भाषा के लिए काम कर रही हैं।लेकिन सबकी सब राजनीति के मकड़जाल में उलझी हुई हैं।साहित्य सेवा कम वर्चस्व की राजनीति अधिक चल रही है।उसमें गुट बंदी तो चरम पर है।जिससे न साहित्य का भला हो रहा है न साहित्यकार का।सब अपनी पीठ थपथपाने में मशगूल हैं।तइं बड़ी की मइं वाली गाड़ी गतिमान है।

साहित्य व भाषा संवर्धन के लिए जो सरकारी समितियाँ बनी हैं वह चमचई भाई भतीजावाद व राजनीतिक रोग से ग्रसित हैं।वहाँ साहित्य भ्रष्टाचार की बलि बढ़ रहा है।उसके चलते समितियों का मूल उद्देश्य बेपटरी है।ऐसे ऐसे साहित्य पर सम्मान लुटाये जा रहे हैं जिसे देख सुन पढ़कर ही भ्रष्टाचार चमचई राजनीति और गुटबंदी की बू आज की यमुना की जैसी आ रही है।जो गुट जितना अधिक चमचई और राजनीति कर ले रहा है,वही अकाडमिक सम्मान पा रहा है।बाकी दरकिनार कर दिए जा रहे हैं।जिनको मिलना चाहिए वह एक कोने में रद्दी किताब की तरह पड़ा सड़ रहा है। हाल ही में एक कवयित्री को महाराष्ट्र हिन्दी साहित्य अकाडमी ने सम्मानित किया था।उसकी पुस्तक का पहला ही काव्य बेपटरी था।इसी से यह साबित हो गया कि साहित्यिक अकाडमियाँ चमचई राजनीति और गुट बंदी का शिकार हैं।यह साहित्य की खूबसूरती में बदनुमा दाग है।सम्मान उसे ही दिया जाय जो लायक है।जिससे साहित्य की खूबसूरती और खूबसूरत लगे।और साहित्य की मर्यादा भी रहे।

आज महानगरों में साहित्यिक संस्थायें हर दिन बन रही हैं और विगड़ रही हैं।क्योंकि जो बन रही हैं कहीं न कहीं ईर्ष्या बस या राजनीति बस या गुटबंदी के चलते।ऐसी संस्थायें खुल तो बड़े जोर शोर से रही हैं।मगर चार कदम भी नहीं चल पा रहीं।और गुमनाम हो जा रही हैं।क्योंकि खुलते समय उनके उद्देश्य शायद भ्रमित थे।गुट में शामिल होने वाले दृढ़ नहीं थे।

संस्थायें खुलना अच्छी बात है।और उससे भी अच्छी बात ए है कि किसी के अवरोध में न खुले।बल्कि जोड़के खुले।खुले तो खुले मन से निर्लेप भाव से खुले।जिसमें किसी के प्रति द्वेश न हो।किसी को दबाने की नहीं सबके साथ मिलके खुद को बढ़ाने की मंशा हो।उद्देश्य निर्मल हो,तभी संस्थायें मील का पत्थर बन पायेगी।लेकिन जो खुल रही हैं,बस चार दिन की चाँदनी ही साबित हो रही हैं।क्योंकि जलन बस प्रतिस्पर्धा में खुलीं।दो चार आयोजन किए।जोश उतरा तो होश आया।और होश आया तो बेहोश हो गये।क्योंकि उद्देश्य सेवा का नहीं था।सेवा का होता तो जोश में नहीं होश में करते।योजनाबद्ध करते।तो रेस का घोड़ा साबित होते।मगर जोश में आये खोल लिए।जोश उतरा ठंढे पड़ गये।गुट बना और बिखर गया।संस्था लुप्त हो गई और खुद भी गुप्त हो गये।इसलिए गिरधर जी ने कहा था।

बिना बिचारे जो करे,सो पाछे पछताय।

काम बिगारो आपना,जग में होत हंसाय।।

आज वही हो रहा है।बरसाती मेढक की तरह बहुत से लोग साहित्य के सेवक बनकर आये।उछले कूदे और मौसम बदलते ही बिलुप्त हो गये।ए सभी चमचई लालच जलन राजनीति गुटबाजी के चलते न साहित्य की सेवा ही कर पाये और न ही कायदे से साहित्यकार ही।इनको यह भी नहीं पता कि साहित्यकार ऋषि होता है।उसकी रचना से समाज सीखता है।इसलिए उसे संत की तरह होना चाहिए।नेता की तरह नहीं।साहित्कार को चमचा नेता या गुटबाज नहीं होना चाहिए।उसे अपनी मर्यादा में रहना चाहिए तभी वह साहित्य की सेवा निर्लेप भाव से कर पायेगा।अन्यथा चौकड़ी ही भरता रहेगा।और सरकार को भी चाहिए कि उत्तम साहित्य और साहित्यकारों का चयन करे।लेकिन सरकार भी वही दरबारी साहित्यकार चाहती है।निजी संस्थायें भी वही चाहती हैं।जिसके चलते अधिकतर दम तोड़ चुकी हैं।और कई आखिरी साँसे गिन रही हैं।

—पं.जमदग्निपुरी

बियॉन्से को कपड़े देने से इनकार कर देते थे मशहूर डिजाइनर्स, सिंगर के दर्द पर कंगना रनौत ने किया रिएक्ट

नई दिल्ली। बियॉन्से दुनिया की सबसे महंगी सिंगर्स में से एक हैं। क्वीन बे के नाम से

मशहूर बियॉन्से आज भले ही करोड़ों की मालकिन हैं, लेकिन एक दौर में उन्होंने भी गरीबी देखी है। संघर्ष के दिनों में बड़े–बड़े डिजाइनर उन्हें अपने कपड़े देने से भी मना कर देते थे। कुछ समय पहले बियॉन्से ने एक इवेंट में अपनी संघर्ष भरी कहानी सुनाई थी। उन्होंने बताया था कि किस तरह उनकी ग्रैंडमदर उनकी मां को पालने के लिए कपड़े सिलती थीं और फिर उनकी मां ने भी अपनी बेटी के लिए वही किया। कंगना रनौत ने उनके वीडियो पर रिएक्शन दिया है। बियॉन्से के संघर्ष की कहानी सुन कंगना रनौत इमोशनल हो गईं और उन्होंने लोगों से उनकी स्ट्रगल स्टोरी सुनने की सलाह दी। कंगना ने वीडियो रीशेयर करते हुए लिखा, षबियॉन्से के संघर्ष के दिनों की ये छोटी प्यारी सी कहानी सुनना चाहिए, जब बड़े–बड़े लेबल्स ने उन्हें कपड़े देने से मना कर दिया था लेकिन उन्हें बचाने कौन आया?

कंगना रनौत ने आगे लिखा, हमारे घर में लड़कियों को बड़े होते हुए एंब्रॉयडरी करना और सिलाई करना सिखाया जाता था। मैं उस चीज के लिए अपनी ग्रैंडमदर की आभारी हूं। नए जेनरेशन में कल्चरल डिटेल्स गायब है। यह हर उन लड़कियों के लिए है, जो फैशनेबल बनना चाहती हैं लेकिन सिलाई करने को नीचा समझती हैं। कोशिश करो। इसमें मजा आता है। बियॉन्से ने कहा कि उनकी नानी दादी कपड़े सिलती थीं। उनके नाना–नानी के पास ज्यादा पैसे नहीं थे कि वह उनकी मां के कैथोलिक स्कूल ट्यूशन की फीस दे सकें। इसलिए उनकी नानी पुजारी और नन को कपड़े बेचती थीं और स्कूल यूनिफर्म भी बनाती थीं ताकि वह उनकी मां के एजुकेशन की फीस दे सकें। उन्होंने उनकी मां को सिलाई भी सिखाई। उन्होंने कहा, जब हम डेस्टिनीज चाइल्ड (म्यूजिकल ग्रुप) शुरू कर रहे थे। बड़े–बड़े लेबल्स चार ब्लैक कंट्री कर्वी गर्ल्स के लिए ड्रेस नहीं बनाते थे और हम डिजाइनर कपड़े डिजर्व नहीं करते थे। सिंगर ने कहा था, मेरी मां को हर शोरूम में रिजेक्ट कर दिया जाता था लेकिन मेरी नानी की तरह उन्होंने अपने बच्चों का सपना पूरा करने के लिए अपना टैलेंट और क्रिएटिवी यूज की। मेरी मां और मेरे अंकल जॉनी उनकी आत्मा को शांति मिले। उन्होंने हमारा पहला कॉस्ट्यूम बनाया। उन्होंने हर पीस हाथ से बनाया, उन पर सैकड़ों मोतियां लगाई और उसे प्यार व स्नेह से भर दिया। इसलिए मेरी मां, अंकल और नानी, सभी को धन्यवाद जिन्होंने कभी मुझे न में जवाब नहीं दिया।

खुशी कपूर के साथ फिल्म करना चाहते हैं वेदांग रैना, इंडिया कॉउचर वीक के दौरान कही दिल की बात

नई दिल्ली। वेदांग रैना और खुशी कपूर ने जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से डेब्यू किया था। बीते काफी समय से दोनों की डेटिंग को लेकर भी काफी खबरें आ रही हैं। हाल ही में दोनों को इंडिया कॉउचर वीक 2024 शो में साथ में रैंप वॉक करते देखा गया था। इस दौरान कपल ने फेमस डिजाइनर गौरव गुप्ता के आउफिट को शो केस किया। वेदाग यहां पर गौरव गुप्ता के ल`ट`स्ट कल`क्शन अरुणोदय के लिए शोजटॉपर थे। खुशी कपूर ने ऑफ व्हाइट कलर का खूबसूरत लहंगा पहना हुआ था जिसे उन्होंने ऑफ शोल्डर ब्लाउज के साथ पेयर किया था। ये एक फिशकट लहंगा था और इस आउटफिट में खुशी किसी जलपरी से कम नहीं लग रही हैं। वहीं वेदांग ब्लैक कलर की शेरवानी में बहुत ही हैंडसम लग रहे थे। इस दौरान कपल के बीच क्यूट बॉन्डिंग भी देखने को मिली। इस दौरान जब एक्टर से दोबारा साथ काम करने को लेकर सवाल किया गया इस पर वेदांग ने कहा,हां, बिल्कुल! मुझे लगता है कि हम एक–दूसरे को काफी समय से जानते हैं और एक दूसरे के साथ काफी कम्फर्टेबल भी हैं। आगे आने वाले समय में अगर ऐसा कुछ होता है तो हम निश्चित रूप से साथ में फिल्म करना पसंद करेंगे। इंडिया कॉउचर वीक 2024, 24 जुलाई को शुरू हुआ है और ये 31 जुलाई तक चलेगा। अभी तक राहुल मिश्रा,जयंती रेड्डी, डॉली जे,अमित अग्रवाल और जे जे वलाया जैसे डिजाइनर अपने कलेक्शन डिस्प्ले कर चुके हैं। फाल्गुनी शेन पीकॉक फाइनल डिजाइनर हैं। खुशी कपूर के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो एक्ट्रेस बहुत जल्द सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ फिल्म नादानियां में दिखाई देंगी। इसके अलावा लव टुडे के हिंदी रीमेक में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ आमिर खान के बेटे जुनैद होंगे। वेदांग रैना बहुत जल्द आलिया भट्ट के साथ फिल्म जिगरा में नजर आएंगे।

वेदा की रिलीज से पहले शरवरी वाघ ही ने स्पाई थ्रिलर अल्फा के लिए कसी कमर, सेट से शेयर की तस्वीर

नई दिल्ली। शरवरी वाघ की पहली फिल्म बंटी और बबली 2 भले ही बड़े पर्दे पर कमाल न दिखा पाई हो और उन्हें वो पॉपुलैरिटी न मिली हो जिसकी उन्हें चाहत थी, लेकिन मुंज्या और महाराज ने शरवरी को रातोंरात स्टार बना दिया। हॉरर कॉमेडी मुंज्या में बेला

बनकर शरवरी वाघ ने लाखों लोगों का दिल जीत लिया था। फिर जुनैद खान की फिल्म महाराज के लिए शरवरी को खूब तारीफें मिलीं। अब नटखट बेला और विराज बनने के बाद शरवरी वाघ जल्द ही एजेंट बनकर एक्शन का दम दिखाती नजर आएंगी। इसी महीने शरवरी की फिल्म अल्फा की अनाउंसमेंट हुई थी, जिसमें वह आलिया भट्ट के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। अल्फा का निर्माण यश राज फिल्म्स के बैनर तले किया जा रहा है। आदित्य चोपड़ा की निर्मित फिल्म का निर्देशन जाने–माने डायरेक्टर शिव रवैल कर रहे हैं। आज से फिल्म की शूटिंग भी शुरू हो गई है, जिसकी झलक शरवरी ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। शरवरी ने अल्फा के सेट से डायरेक्टर के साथ एक तस्वीर शेयर की है और अपनी एक्साइटमेंट जाहिर की है। फोटो में वह शिव के साथ क्लैपरबोर्ड के साथ पोज दे रही हैं। अल्फा से जुड़ी गुड न्यूज शेयर करने के बाद शरवरी वाघ ने अपनी एक्साइटमेंट शेयर की है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, ष्इससे बड़ा और कुछ नहीं हो सकता है। आज अपनी अल्फा जर्नी शुरू करने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। मेरा यकीन करो, मैंने इस पल के लिए बहुत तैयारी की है लेकिन मेरे पेट में तितलियां उड़ रही हैं। इसके अलावा उन्होंने प्रोड्यूसर और डायरेक्टर को उन्हें कास्ट और उन पर भरोसा करने के लिए धन्यवाद किया। स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) को शरवरी वाघ की फिल्म वेदा रिलीज हो रही है, जिसमें जॉन अब्राहम अहम भूमिका में हैं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर मच अवेटेड फिल्म स्त्री 2 और खेल खेल में से टकराएगी। फिल्म में वह समाज से लड़ती हुई नजर आएंगी।

खाने की शौकीन हैं वैशाली अरोड़ा, एक्ट्रेस ने उड़ने की आशा के सेट की बताई मजेदार बातें

टीवी एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा इन दिनों शो उड़ने की आशा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वह रिया का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस फूडी हैं और वह सेट पर कुछ न कुछ खाते रहना पसंद करती हैं।

वैशाली ने कहा, मैं एक मजेदार बात शेयर करना चाहती हूं जो कई बार हुआ है। मेरा किरदार रिया खाने की बड़ी शौकीन है। आकाश खाना बनाकर उसे भेजता है और वह उसे खाती है। जब भी मैं शूटिंग कर रही होती हूं, प्रोडक्शन टीम पूछती है कि मैं क्या खाना चाहती हूं और उसे तैयार करके रखती है। मैं अपने किरदार को रियल में जीने लगती हूं, क्योंकि मैं खुद भी फूडी हूं, यहां तक कि रिहर्सल के दौरान भी मैं कुछ न कुछ खाती रहती हूं।

उन्होंने कहा, जब तक हम फाइनल टेक लेते हैं, तब तक खाना लगभग खत्म हो चुका होता है और मेरे पेट में खाने के लिए जगह नहीं बचती। उदाहरण के लिए... आकाश ने रिया के लिए रेड वेलवेट केक बनाया। मैंने रिहर्सल के दौरान खाना शुरू किया और फाइनल टेक तक आधा खा लिया था। इसी तरह, डोसा मैंने रिहर्सल के दौरान इतना खाया कि मैं बाद में लंच नहीं कर सकी।

मानसून में वैशाली को मैगी और चाय बेहद पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे मानसून का मौसम ज्यादा पसंद नहीं है, लेकिन इस मौसम में मेरी पसंदीदा चीज घर पर बैठकर चाय और मैगी है। इस दौरान कुछ मजेदार देखना और अपने सोफे पर आराम करना है। काम करते समय, मैं एक्टिव रहने के लिए कॉफी पीती रहती हूं और बारिश बंद होने पर ताजी हवा लेने के लिए बाहर टहलती हूं। मानसून रोमांटिक सीन्स के बारे में वैशाली ने कहा, हां, मानसून रोमांस का सीजन है। कुछ ऐसी चीज है जिसका आने वाले एपिसोड में दर्शकों को इंतजार करना चाहिए। आकाश और रिया के बीच की केमिस्ट्री वाकई बहुत रोमांटिक तरीके से सामने आएगी। उन्होंने कहा, बारिश रिया को दिल की बात कहने के लिए मजबूर करेगी, और आकाश का रिएक्शन देखने लायक होगा। मैं चाहती हूं कि मेरे फैंस आकाश और रिया के इन खास पलों को देखें। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

इस शो को राहुल कुमार तिवारी ने प्रोड्यूस किया है। उड़ने की आशा स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

जलवायु परिवर्तन अब एक सच्चाई, हमें हिमालय में निर्माण कार्य इसे ध्यान में रखकर ही करने चाहिए

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अब तक पूरी तरह मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम अटका पड़ा है।

खासकर, जिनके मकानों के नीचे की जमीन धंस गई हैं, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक लोग काल का ग्रास बन गए थे। बाढ़–भूस्खलन का यह सिलसिला भले जलवायु परिवर्तन के चलते भयावह हो गया हो, या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम। अक्सर हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियां छिपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़–भूस्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये भयानक बन जाती हैं।

बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूटकर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंसकर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका देखने को मिलती है। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं। अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है, इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इसे ध्यान में रखकर ही करने चाहिए। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक युवा पहाड़ है, जो अभी बन ही रहा है। इस कारण यह कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण यहां भूस्खलन होते हैं। ऐसे नाजुक भू–स्थल में जब निर्माण कार्यों के चलते अंधाधुंध तोड़फोड़ होती है, तब भी भूस्खलन से तबाही होती है।

जब भूस्खलन का मलबा नदी–नालों में पंहुचता है, तो पानी और बाढ़ का बहाव तबाही मचा देता है। बांध, सुरंगें, चौड़ी सड़कें बनाने के दौरान निकले मलबे ढलानों पर फेंके जाने से तबाही बढ़ती है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष भी काटे जाते हैं, जो कमजोर भूस्थल को और कमजोर बना देते हैं। खनन कार्य भी इस तबाही में योगदान देते हैं। ये सभी कार्य एक तरफ प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं, तो दूसरी तरफ इन कार्यों से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। इसलिए स्थानीय समुदाय दो हिस्सों में बंट जाता है। जो इस तबाही का शिकार होते हैं, वे इसका विरोध करते हैं, और जिन लोगों की आजीविका इन निर्माण कार्यों से चलती है, वे समर्थन में खड़े होते हैं। जो विस्थापित हो जाते हैं, उन्हें कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। हिमालय देश को जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालयी क्षेत्र का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास कार्यों के विरोधाभास को समाप्त करना जरूरी है। सड़क निर्माण से लेकर पनबिजली परियोजनाओं तक हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। मसलन, सड़क निर्माण कट ऐंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरों से फैलने वाले प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना जरूरी है। इस व्यवसाय से जुड़े कुछ लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा को लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण सुरक्षा के साथ–साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। फिर भी कुछ आपदाओं से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन को चाक–चौबंद करना होगा। आपदा की स्थिति में तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा।

लायंस क्लब इलाहाबाद अरूणिमा ने की आंगनबाड़ी सेवा

प्रयागराज। समाज सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था लायंस क्लब द्वारा पूरे देश में चलाई जाने वाली आंगनबाड़ी सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत आज लायंस क्लब की शाखा लायंस क्लब इलाहाबाद अरूणिमा के तत्वावधान में आंगनबाड़ी सेवा के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय, कटरा, प्रयागराज प्रांगण में स्थित आंगनबाड़ी में 50 बच्चों को स्वल्पाहार वितरित किया गया। बच्चे बहुत खुश थे। इसके पश्चात होमियोपैथी चिकित्सा के डॉ एस.के. शुक्ला, होम्योपैथिक चेयरपर्सन ने सभी बच्चों एवं स्टाफ मेम्बर्स का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया। लायन श्रीश श्रीवास्तव, आंगनबाड़ी चेयरपर्सन लायन डॉ ए..डी. दुबे, संतोष तिवारी के अतिरिक्त आंगनबाड़ी संचालिका सुनीता उपस्थित मौजूद थीं।

जेईई मेन के आखिरी दिनों में रिवीजन के लिए अपनाएं ऐसी रणनीति, जरूर मिलेगी सफलता

जेईई मेन सेशन 2 की परीक्षा के लिए अब बेहद कम समय बचा है। ऐसे में अब स्टूडेंट्स को किसी नए विषय की पढ़ाई नहीं करनी चाहिए। जेईई मेन सेशन क्लीयर करने के लिए छात्र खूब मेहनत करते हैं। ऐसे में छात्रों को पढ़े हुए पुराने टॉपिक्स का रिवीजन करना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, स्टूडेंट्स को बचे हुए दिनों में रिवीजन करने के लिए अलग–अलग स्ट्रेटेजी अपनानी चाहिए। ऐसे में अगर आप भी स्टूडेंट हैं और जेईई मेन सेशन 2 परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको रिवीजन के जरूरी टिप्स बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन टिप्स को फॉलो कर एग्जाम में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

पास में रखें नोट्स

रिवीजन करने के दौरान स्टूडेंस्ट को अपने नोट्स की तरह आगे बढ़ना चाहिए। अपनी तैयारी के दिनों में हर छात्र जरूरी विषयों के नोट्स बनाता है। एग्जाम से पहले यह नोट्स रिवीजन के काम आते हैं। इसलिए परीक्षा से पहले नोट्स चेक कर लें। जिससे कि कोई भी जरूरी टॉपिक आपसे छूट न जाए।

पैनिक न हों

सेशन 2 की परीक्षा में कुछ ही समय बाकी है। ऐसे में स्टूडेंट्स को तनाव होना लाजमी है। लेकिन एग्जाम से पहले पैनिक न हों, क्योंकि इससे आपकी तैयारी पर फर्क पड़ेगा। साथ ही जो आपने याद किया है, वह भी भूल जाएंगे। इसलिए रिलैक्स होकर एग्जाम देने जाएं और रिवीजन पर फोकस करें।

मॉक टेस्ट

जो भी स्टूडेंट जेईई मेन एग्जाम देने वाले हैं, वह मॉक टेस्ट रिवीजन जरूर करें। रिवीजन के दिनों में मॉक टेस्ट लगाएं और पिछले सालों के प्रश्नपत्रों को हल करने की कोशिश करें। इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि एग्जाम में किस तरह के सवाल पूछे जाएंगे और आपकी तैयारी कैसी है।

याद करें फॉर्मूले

साइंस का अहम हिस्सा फॉर्मूला होता है और इनका हर स्टेप में इस्तेमाल होता है। इसलिए स्टूडेंट्स को सलाह दी जाती है कि सभी फॉर्मूलों को अच्छे से याद कर लें। इससे परीक्षा के दौरान होने वाली छोटी–छोटी गलतियों से बचा जा सकता है।

मॉनसून में महिलाएं कैसे रखें अपनी पर्सनल हाइजीन का ध्यान? काम आएंगे ये टिप्स

बारिश का मौसम में पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है. खासकर महिलाओं के लिए, सही सफाई और स्वच्छता बनाए रखना आवश्यक है ताकि किसी भी तरह के संक्रमण और बीमारियों से बचा जा सके.

बारिश के मौसम में महिलाओं को अपने पर्सनल हाइजीन का ध्यान रखना बहुत जरूरी है, खासकर पीरियड्स के दौरान. इस समय सही सफाई और स्वच्छता बनाए रखने से संक्रमण और बीमारियों से बचा जा सकता है. साफ और सूखे कपड़े पहनेंरू बारिश में गीले कपड़े पहनने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है. हमेशा सूखे और साफ कपड़े पहनें. अगर कपड़े गीले हो जाएं तो तुरंत बदल लें और शरीर को अच्छी तरह से पोंछ लें.

साफ अंडरगारमेंट्स पहनेंरू साफ और सूखे अंडरगारमेंट्स पहनना बहुत जरूरी है. गंदे या गीले अंडरगारमेंट्स पहनने से इन्फेक्शन का खतरा होता है. रोजाना अंडरगारमेंट्स बदलें और धोकर अच्छी तरह सुखाएं.

महिलाओं को अपने पर्सनल हाइजीन प्रोडक्ट्स जैसे सैनिटरी नैपकिन और पैंटी लाइनर का सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए. इन प्रोडक्ट्स को हर 4–6 घंटे में बदलना जरूरी है, चाहे रक्तस्राव कम हो या ज्यादा इससे त्वचा को साफ और सूखा बनाए रखने में मदद मिलती है.

इस्तेमाल के बाद हाइजीन प्रोडक्ट्स को सही तरीके से डिस्पोज करें। इन्हें खुले में ना फेंकें और अगर संभव हो तो बायोडिग्रेडेबल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें.

बारिश के मौसम में नमी और गंदगी ज्यादा होती है. इससे बैक्टीरिया और फंगस बढ़ सकते हैं. नियमित रूप से स्नान करें और एंटीबैक्टीरियल साबुन का इस्तेमाल करें. इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी रहेगी.

मोनालिसा ने जंपसूट पहने ढाया कहर, भोजपुरी क्वीन का ग्लैमरस अवतार देखकर आप भी रह जाएंगे दंग

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस

फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर लोगों के बीच सुर्खियां बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर अपना दिल हार जाते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देती हुई इंटरनेट पर का पारा हाई करती हुई नजर आ रही हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से फैंस को दीवाना बनाए रखती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही वायरल होने लगता है।

हाल ही में भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से इंटरनेट पर कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनकी शोख अदाएं देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।

मोनालिसा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ जाता है। हालांकि फैंस भी उनके लुक को काफी पसंद करते हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान लाइट ग्रीन कलर का जंपसूट पहना हुआ है, जिसमें वो कमर पर हाथ रखकर एक से बढ़कर एक किलर पोज दे रही हैं।

मोनालिसा अपने इस आउटफिट में बेहद कूल नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके इस लुक को देखकर काफी ज्यादा इंप्रेस हो गए हैं।

कानों में इयररिंग्स, नो मेकअप लुक और बालों को ओपन कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन कुछ ना कुछ पोस्ट करती रहती हैं। हालांकि फैंस भी उनके स्टाइल को अक्सर फॉलो करते हैं।

अरिजीत सिंह की आवाज का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे एआई प्लेटफॉर्म्स, बॉम्बे हाई कोर्ट से सिंगर को मिली राहत

नई दिल्ली। सिंगर अरिजीत सिंह अपनी मधुर आवाज के लिए पूरी दुनिया में फेमस हैं। सैड सॉन्ग हो या मस्ती से भरे गाने, अरिजीत अपनी आवाज को हर तरह के गानों में फिट बैठाने का हुनर रखते हैं। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के जमाने में उनकी आवाज का गलत इस्तेमाल तक किया जा रहा है। इस मामले में उन्हें बॉम्बे हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने

अरिजीत सिंह को राहत देते हुए कहा है कि किसी भी सेलिब्रिटी की सहमति के बिना उनकी आवाज या इमेज का इस्तेमाल एआई टूल्स नहीं कर सकेंगे। अगर ऐसा होता है, तो वह उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करते हैं। दरअसल, अरिजीत सिंह ने याचिका दायर की थी कि एआई प्लेटफॉर्म उनकी आवाज, तौर–तरीकों और बाकी चीजों की नकल कर उनकी आवाज में वॉयस रिकॉर्डिंग करते हैं। इसमें एडिटिंग की जाती है, जो कि एआई टूल्स की मदद से ही होती है। इस मामले में सुनवाई करते हुए 26 जुलाई को न्यायमूर्ति आर आई छागला ने अपने अंतरिम आदेश में आठ ऑनलाइन प्लेटफार्मों को अरिजीत सिंह के व्यक्तित्व अधिकारों का इस्तेमाल करने पर रोक लगाई। उन्होंने ऐसे सभी कंटेंट और आवाज वाले टूल्स को हटाने का भी निर्देश दिया। अरिजीत के वकील हिरेन कामोद ने कहा कि पिछले कई वर्षों से सिंगर ने किसी भी तरह का ब्रांड एंडोर्समेंट नहीं किया है। कोर्ट ने भी इस बात पर सहमति जताई कि सिंगर को अंतरिम जमानत मिलनी चाहिए। न्यायधीश ने कहा, ‘अदालत को जो बात परेशान करती है, वह यह कि सेलेब्रिटीज अनऑथराइज्ड एआई कंटेंट से टारगेट होते हैं।

फिर आई हसीन दिलरुबा से पहले देख डालिए ओटीटी पर मौजूद तापसी पन्नू की ये फिल्में

नई दिल्ली। तापसी पन्नू की फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ये इकलौती ऐसी हिंदी फिल्म है जिसका सीक्वल भी ओटीटी पर रिलीज

हो रहा है। वहीं एक्ट्रेस तापसी पन्नू फीमेल लीड के तौर पर प्लेटफॉर्म पर राज कर रही हैं। आज आपको एक्ट्रेस की कुछ ऐसी ही फिल्मों के बारे में बताएंगे जिन्हें आप आराम से ओटीटी पर देख सकते हैं।

थप्पड़

तापसी पन्नू और पवैल गुलाटी स्टारर फिल्म थप्पड़ डोमेस्टिक वॉयलेंस जैसे सामाजिक मुद्दे पर बनी फिल्म है। इस फिल्म को अनुभव सिन्हा ने डायरेक्ट किया है। अमृता के रोल में नजर आ रही तापसी पन्नू अपने पति से बेहद प्यार करती है और उसका खूब ख्याल रखती है। लेकिन एक पार्टी में पति की हरकत के बाद से वो उससे तलाक लेने का फैसला करती है। इस फिल्म को आप अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

डंकी

डंकी की कहानी 3 दोस्त मनु (तापसी पन्नू),बुग्घु (वध्क्रिम कोचर) और जस्ध्सी (अनध्लि ग्रोवर) की कहानी है जो विदेश जाने के लिए डंकी मारते हैं। इस काम में शाह रुख खान उनकी मदद करते हैं। इस पूरे रास्ते उन्हें किन मुश्किलों का सामना करना पड़ता है डंकी उसी की कहानी है। डंकी को जाने माने डायरेक्टर राजकुमार हिरानी ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

बदला

बदला एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म है जिसे सुजॉय घोष ने निर्देशित किया है। इस फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन भी नजर आए। फिल्म में तापसी पन्नू के पति अर्जुन का मर्डर हो जाता है और हत्या का आरोप भी उसी पर लगता है। ये एक बेहतरीन मर्डर मिस्ट्री है जिसे आप नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

नाम शबाना

फिल्म नाम शबाना को शिवम नायर ने डायरोक्ट किया है। ये एक बॉलीवुड एक्शन स्पाई थ्रिलर ड्रामा है। फिल्म में तापसी पन्नू,अक्षय कुमार,मनोज बाजपेई, अनुपम खेर मुख्य भूमिका मे हैं। फिल्म की कहानी मुंबई में रहने वाली एक लड़की शबाना की है जो अपनी मां के साथ आराम से जीवन गुजार रही होती है। एक बार अचानक कुछ ऐसे हालात आते हैं जिसकी वजह से उसे स्पेशल टास्क फोर्स ज्वाइन करना पड़ता है।

रश्मि रॉकेट

फिल्म रश्मि रॉकेट को आकर्ष खुराना ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में तापसी पन्न्नू,प्रियांशु पेन्युली,सुप्रिध्या पाठक,अभध्षिेक बनर्जी,सुप्रिया पिलगांवकर मुख्य किरदार में नजर आए। यह फिल्म सत्य घटनाओं पर आधारित है। एथलीट की जिंदगी उतार चढ़ाव भरी है ये फिल्म उस यात्रा को दर्शाती है। फिल्म महिला एथलीटों के स्वाभिमान पर चोट करती है। इस फिल्म को आप जी 5 पर देख सकते हैं।

ज्ञान सरोवर

(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org

www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

सोच अच्छी ख़बर सच्ची